2023
हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड – क

1. (क) वासुदेवशरण अग्रवाल का निबन्ध संग्रह नहीं है : **1**

(i) 'वाग्धारा' (ii) 'कल्पलता' (iii) 'कल्पवृक्ष' (iv) 'पूर्वोदय'

(ख) 'दीप जले शंख बजे' संस्मरण के लेखक हैं : **1**

(i) जैनेन्द्र कुमार (ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (iii) हरिशंकर परसाई (iv) उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी के किस उपन्यास को 'रैक्व आख्यान' भी कहा जाता है ? **1**

(i) 'अनामदास का पोथा' को (ii) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' को (iii) 'पुनर्नवा' को (iv) 'चारुचन्द्र लेख' को

(घ) 'भारतीय अर्थनीति का अवमूल्यन' पुस्तक के लेखक हैं : **1**

(i) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम (ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी (iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय (iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ङ) इनमें से जी० सुन्दर रेड्डी का ग्रन्थ है : **1**

(i) 'और अन्त में' (ii) 'वैचारिकी' (iii) 'मिशन इंडिया' (iv) 'मन्दाकिनी'

2. (क) 'अज्ञेय' द्वारा सम्पादित किस 'सप्तक' में कोई कवयित्री संकलित नहीं है ? **1**

(i) 'तारसप्तक' में (ii) 'दूसरा सप्तक' में (iii) 'तीसरा सप्तक' में (iv) 'चौथा सप्तक' में

(ख) इनमें से भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की रचना नहीं है : **1**

(i) 'चन्द्रप्रभा' (ii) 'कहरकासी' (iii) 'समयपूर्वाय की मात्रा' (iv) 'प्रेमप्रलाप'

(ग) 'हरिऔध' जी द्वारा लिखित 'पारिजात' काव्य प्रस्तुत किया गया है : **1**

(i) सत्रह सर्गों में (ii) अट्ठारह सर्गों में (iii) बारह सर्गों में (iv) पन्द्रह सर्गों में

(घ) इनमें से मैथिलीशरण गुप्त की रचना है : **1**

(i) 'चित्राधार' (ii) 'आराधना' (iii) 'प्रदक्षिणणा' (iv) 'गन्धवीथी'

(ङ) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' को इनमें से किस काव्यकृति पर 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिला है ? **1**

(i) 'आँगन के पार द्वार' (ii) 'ऐसा कोई घर आपने देखा है' (iii) 'कितनी नावों में कितनी बार' (iv) 'अरी ओ करुणा प्रभामय'

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5 × 2 = 10**

भूमि, भूमि पर बसनेवाला जन और जन की संस्कृति, इन तीनों के सम्मिलन से राष्ट्र का स्वरूप बनता है। भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनंत काल से है। उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्तव्य है। भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जागरित होंगे उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी। यह पृथिवी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है। जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी, वह निर्मूल होती है। राष्ट्रीयता की जड़ें पृथिवी में जितनी गहरी होंगी, उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) भूमि का निर्माण किसने किया है ?

(ग) हमारा आवश्यक कर्तव्य क्या है ?

(घ) 'पार्थिव' और 'निर्मूल' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

UPBoardHub

मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हज़ारों वर्षों का रूप साफ दिखायी दे रहा है। मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचार्यों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवनधारा आगे बढ़ी है। संघर्षों से मनुष्य ने नयी शक्ति पायी है। हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है। देश और जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है। सब कुछ में मिलावट है, सब कुछ अविशुद्ध है। शुद्ध है केवल मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा। वह गंगा की अबाधित-अनाहत धारा के समान सब कुछ को हज़म करने के बाद भी पवित्र है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) मनुष्य की जीवनी-शक्ति को निर्मम क्यों कहा गया ?

(ग) मनुष्य ने नयी शक्ति किस चीज़ से अर्जित की है ?

(घ) 'दुर्दम' तथा 'अनाहत' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5 × 2 = 10**

व्यापक ब्रह्म सबै थल पूरन है हमहूँ पहिचानती हैं।
पै बिना नंदलाल बिहाल सदा 'हरिचंद' न ज्ञानहिं ठानती हैं।।
तुम ऊधौ यहै कहियो उनसों हम और कछू नहिं जानती हैं।
पिय प्यारे तिहारे निहारे बिना आँखियाँ दुखियाँ नहिं मानती हैं।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।

(ख) सभी स्थानों पर किसका प्रसार है ?

(ग) 'व्यापक' और 'बिहाल' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(घ) गोपियाँ उद्धव से ब्रह्म के सम्बन्ध में क्या कहती हैं ?

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

मसृण गांधार देश के, नील रोम वाले मेषों के चर्म।
ढक रहे थे उसका वपु कांत, बन रहा था वह कोमल वर्म।।
नील परिधान बीच सुकुमार, खुल रहा मृदुल अधखुला अंग।
खिला हो ज्यों बिजली का फूल, मेघ-बन बीच गुलाबी रंग।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।

(ख) 'नील रोम वाले मेषों के चर्म' से किसका शरीर ढका था ?

(ग) 'मृसृण' और 'वर्म' शब्द का अर्थ लिखिए।

(घ) 'खिला हो ज्यों बिजली का फूल, मेघ-बन बीच गुलाबी रंग।' इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए।

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (ii) पं० दीनदयाल उपाध्याय (iii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (ii) सुमित्रानन्दन पंत (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'पंचलाइट' कहानी के आधार पर 'गोधन' का चरित्र-चित्रण कीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **5**

अथवा

'बहादुर' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर लिखिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **5**

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए। **अथवा** 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए। **अथवा** 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की घटना का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

UPBoardHub

(ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दु:शासन' का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

(च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की – 'सन् 1942 की जनक्रान्ति' घटना का वर्णन कीजिए।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

समाप्तविद्य: दयानन्द: परमया श्रद्धया गुरुमवदत् – भगवन् ! अहम् अकिञ्चनतया तनुमनोभ्याम् समं केवलं लवङ्गजातमेव समानीतवानरि अनुगृह्णातु भवान् अङ्गीकृत्य मदीयामिमां गुरुदक्षिणाम्। प्रीत: गुरुस्तमभाषत – सौम्य विदितवेदितव्योऽसि, नास्ति किमपि अविदितं तव। अद्यत्वेऽस्माकं देश: अज्ञानान्धकारे निमग्नो वर्तते, नार्य: अनादिरयन्ते, शूद्राश्च तिरिस्क्रियन्ते, अज्ञानिन: पाखण्डिनश्च पूज्यन्ते। वेदसूर्योदयमन्त अज्ञानान्धकारं न गमिष्यति। स्वस्त्यस्तु ते, उन्नमय पतितान्, समुद्धर स्त्रीजाति, खण्डय पाखण्डं, इत्येव मेऽभिलाष: इयमेव च मे गुरुदक्षिणा।

अथवा

महापुरुषा: लौकिक-प्रलोभनेषु बद्धा: नियतलक्षयान्न कदापि भ्रश्यन्ति। देशसेवानुरतोऽयं युवा उच्चन्यायालयस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत्। पण्डित मोतीलालनेहरू – लाला लाजपतरायप्रभृतिभि: अन्यै: राष्ट्रनायकै: सह सोऽपि देशस्य स्वतंत्रतासंग्रामेऽवतीर्ण:। देहल्यां त्रयोविंशतितमे कांग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलङ्कृतवान्। 'रोलट एक्ट' इत्याख्यस्य विरोधेऽस्य ओजस्विभाषणं श्रुत्वा आङ्गलशासका भीता: जाता:। बहुवारं कारागारे निक्षिप्तोऽपि अयं वीरं देशसेवाव्रतं नात्यजत्।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमगृहीत्।
सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रवि:।।

अथवा

काव्यशास्त्रविनोदेन कालो गच्छति धीमताम्
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : **2 + 2 = 4**

(क) संस्कृतस्य गौरवं दृष्ट्वा दण्डिना किम् उक्तम् ?

(ख) कस्य कामाय पतिः प्रियो भवति ?

(ग) महर्षेः दयानन्दस्य जन्म कस्मिन् मासे नक्षत्रे च अभवत् ?

(घ) गौतमबुद्धस्य सिद्धान्ताः के आसन् ?

10. (क) 'वीर' अथवा 'हास्य' रस की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए। **2**

(ख) 'श्लेष' अथवा 'प्रतीप' अलंकार की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए। **2**

(ग) 'सोरठा' अथवा 'बरवै' छन्द की सोदाहरण परिभाषा लिखिए। **2**

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : **2 + 7 = 9**

(क) भारतीय किसान की समस्याएँ (ख) पर्यावरण-प्रदूषण : कारण और निवारण (ग) छात्र जीवन में अनुशासन की महत्ता (घ) इण्टरनेट की उपयोगिता (ङ) निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल

12. (क) (i) 'नयनम्' का सन्धि-विच्छेद है : **1**

(अ) ने + अनम् (ब) ने + अनम् (स) नम + नम् (द) नै + अनम्

(ii) 'सत्कार्यः' का सन्धि-विच्छेद है : **1**

(अ) सद् + कार्यः (ब) सद + कार्यः (स) सत + कार्यः (द) स + तकार्यः

(iii) 'हरिश्चिनोति' का सन्धि-विच्छेद है : **1**

(अ) हरिश्र + चिनोति (ब) हरयस + चिनोति (स) हरय् + चिनोति (द) हरियष् + चिनोति

(ख) (i) 'आसमुद्रम्' में समास है : **1**

(अ) कर्मधारय (ब) बहुव्रीहि (स) अव्ययीभाव (द) द्वन्द्व

(ii) 'महाजन्' में समास है : **1**

(अ) अव्ययीभाव (ब) कर्मधारय (स) द्विगु (द) तत्पुरुष

13. (क) (i) 'आत्मनः' रूप है 'आत्मन्' शब्द का : **1**

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन (ब) पंचमी विभक्ति, एकवचन (स) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ii) 'नामसु' रूप है 'नामन्' शब्द का : **1**

(अ) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन (ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (स) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन (द) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(ख) 'पिबेयम्' अथवा 'नयेतम्' शब्द किस धातु, लकार, पुरुष एवं वचन का रूप है ? **1**

(ग) (i) 'प्रेषितः' शब्द में प्रत्यय है : **1**

(अ) त?? (ब) क्त (स) क्त्वा (द) तव्यत्

(ii) 'बुद्धिमान्' शब्द में प्रत्यय है : **1**

(अ) मतुप् (ब) तव्यत् (स) वतुप् (द) तल्

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : **2**

(i) रमा विद्यालयं प्रति याति। (ii) प्रजाभ्यः स्वस्ति। (iii) अहं पुत्रेण सह गच्छामि।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : **2 × 2 = 4**

(क) मैं आज विद्यालय नहीं जाऊँगा।

(ब) तुम्हारे पिताजी क्या करते हैं ?

(स) देश की प्रगति के लिए अनुशासन आवश्यक है।

(द) छात्रों को गुरुजनों का आदर करना चाहिए।